MAHD-04

June - Examination 2015

एम.ए. पूर्वार्द्ध
काव्यशास्त्र एवं समालोचना
MAHD-04

Time : Three Hours] *[Max. Marks : 80*

निर्देशः यह प्रश्न पत्र तीन खण्डों अ, खण्ड, ब और खण्ड स में विभाजित है। खण्ड अ अति लघूत्तरात्मक है, खण्ड 'ब' लघूत्तारात्मक एवं खण्ड 'स' में निबंधात्मक प्रश्न सम्मिलित हैं।

खण्ड 'अ'

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर अनिवार्य हैं। आप अपने उत्तर को एक शब्द, एक वाक्य या अधिकतम 30 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 2 अंक का है। 8x2=16

प्रश्न-1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

(i) लक्षण काव्य किसे कहते हैं।

(ii) पंडित राज जगन्नाथ ने काव्य की क्या परिभाषा दी है?

(iii) आचार्य भामह किस सिद्धान्त के प्रवर्तक हैं।

(iv) रीति को काव्य की आत्मा किसने कहा?

(v) रस सिद्धान्त के प्रवर्तक आचार्य एवं उनके ग्रंथ का नाम लिखें।

(vi) निर्वैयक्तिकता के सिद्धान्त के प्रतिपादक कौन हैं?

(vii) क्रोचे का अभिव्यंजनावाद वस्तुतः किस सिद्धान्त को समृद्ध करता है?

(viii) मुक्तक काव्य किसे कहते हैं?

खण्ड 'ब'

निम्नलिखित प्रश्नों में से कोई चार प्रश्न कीजिए। शब्द सीमा लगभग 200 शब्द है। प्रत्येक प्रश्न 8 अंक का है। 4x8=32

2. अनुकरण के सिद्धान्त को स्पष्ट कीजिए।
3. काव्यशास्त्र की उपादेयता को स्पष्ट कीजिए।
4. रस-निष्पत्ति की व्याख्या में भट्टलोल्लट के योगदान को रेखांकित कीजिए।
5. काव्य और नैतिकता के सम्बन्ध में इलियट के विचारों पर प्रकाश डालिए।
6. रिचर्ड्स के 'मूल्य-सिद्धान्त' एवं 'सम्प्रेषण-सिद्धान्त' का निष्कर्ष लिखिए।
7. विरेचन और करुण रस के साम्य और वैषम्य को समझाइए।
8. साधारणीकरण के विषय में डा. नगेन्द्र के विचारों का उल्लेख कीजिए।
9. महाकाव्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए।

खण्ड 'स'

नोटः निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो का उत्तर दीजिए। शब्द-सीमा अधिकतम 500 शब्द हैं प्रत्येक प्रश्न 16 अंक का है।

2x16=32

10. रस-सिद्धान्त को समझाते हुए उसकी विस्तार से व्याख्या कीजिए।
11. टी.एस. इलियट ने काव्य के सम्बन्ध में कौन-कौन से सिद्धान्त (मान्यताएं) दिये हैं? विवेचन कीजिए।
12. शुक्लोत्तर युगीन हिन्दी आलोचना को समझाइए।
13. अभिव्यंजनावाद और वक्रोक्ति सिद्धान्त की समानता तथा असमानताओं का वर्णन कीजिए।